स्किलमेंट कविताएँ और कहानियाँ – एफ एस 1 (नर्सरी)

PMP Editorial Team

© 2022 *सर्वाधिकार पी.एम. पब्लिशर्स प्रा.लि.*

इस पुस्तक की विषयवस्तु, लेख, चित्र, पोस्टर आदि प्लैनिट मल्टिमीडिया पब्लिशर्स की संपत्ति है और इनका सर्वाधिकार प्रकाशक को सुरक्षित है। प्रकाशक की अनुमति के बिना पुस्तक के किसी भाग का पूर्णतः या अंशतः प्रकाशन, छायाप्रति, अनुवाद या किसी अन्य विधि से इसका उपयोग सर्वथा प्रतिबंधित है।

आइ.एस.बी.एन. : 978-93-94820-44-9

प्रथम संस्करण : 2023

मूल्य : ₹171/-

मुद्रक :

प्रकाशित द्वारा

PMP Planet® Multimedia Publishers
The Ultimate Resource

पी.एम. पब्लिशर्स प्रा. लि.

सी–55, सेक्टर–65, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर – 201301, (यू.पी.), इण्डिया
फोन. न.: 0120–4300130–33, मो. न.: 9540990177
ईमेल: **info@pmpublishers.in**
वेब: **www.pmpublishers.in**

विषय सूची

1.	बारिश आई छम छम छम	3
2.	तितली	4
3.	बिल्ली मौसी	5
4.	होली (वृतांत)	6
5.	क्रिया कलाप-1	7
6.	रेलगाड़ी	8
7.	सब्जी	9
8.	हाथी आया	10
9.	लालच बुरी बला (कहानी)	11
10.	क्रिया कलाप-2	12
11.	कुट कुट कुट	13
12.	नटखट चूहा	14
13.	गिनती	15
14.	मेहनत का फल (कहानी)	16
15.	क्रिया कलाप-3	17
16.	सवेरा	18
17.	चीकू चीकू चाचा	19
18.	उल्लू	20
19.	एकता में ही बल (कहानी)	21
20.	क्रिया कलाप-4	22
21.	रंग बिरंगे फूल	23
22.	शेर निराला	24

बारिश आई छम –छम–छम

बारिश आई छम-छम-छम

लेकर छाता निकल पड़े हम

पैर फिसला और गिर गए हम

ऊपर छाता नीचे हम।

तितली

सुबह सवेरे आती तितली,

फूल-फूल पर जाती तितली,

रंग-बिरंगे पंख सजाए,

सबके मन को भाती तितली।

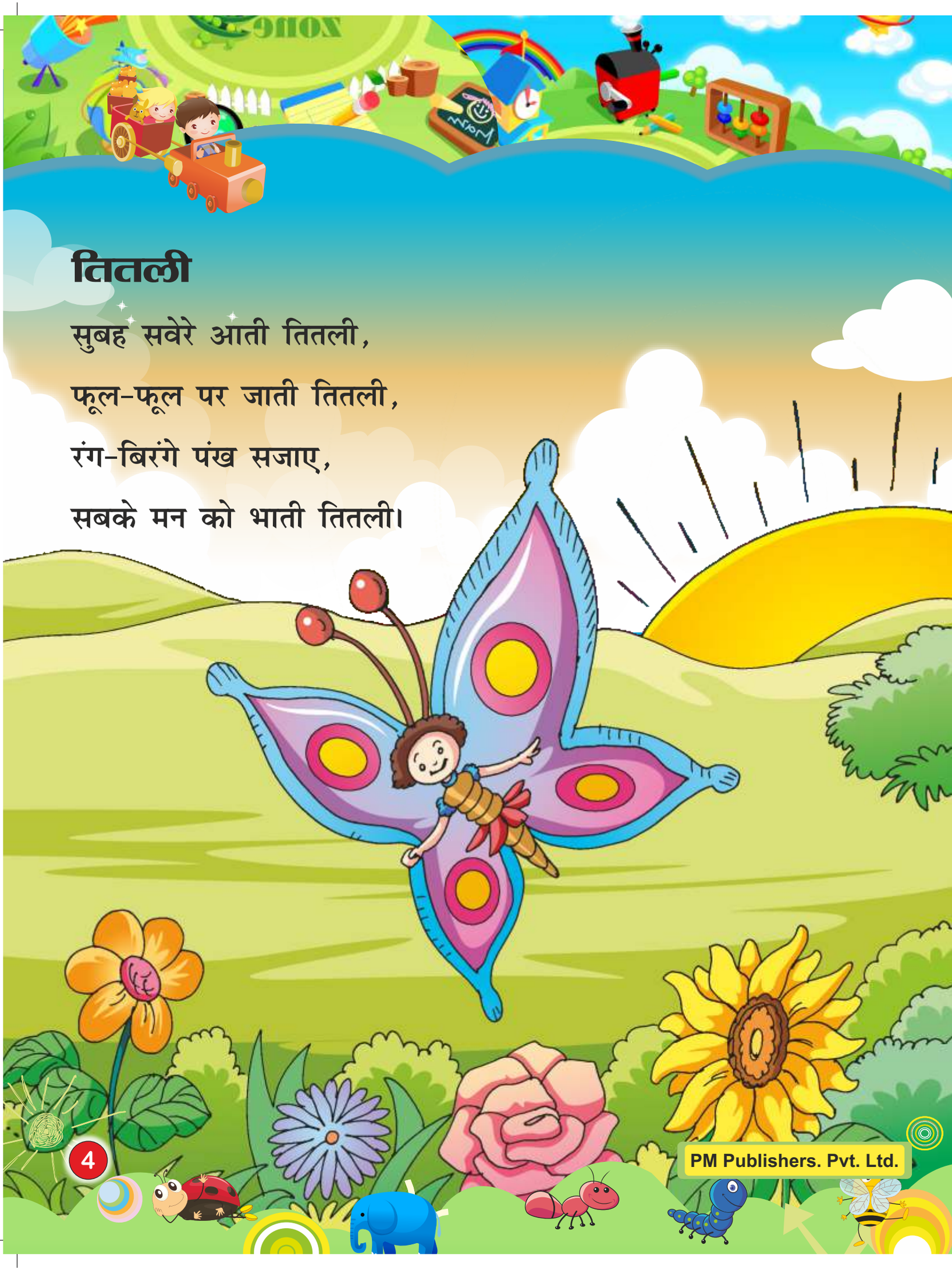

PM Publishers. Pvt. Ltd.

बिल्ली मौसी

बिल्ली मौसी म्याँऊ-म्याँऊ

क्या मैं घर के अंदर आऊँ?

चुहियाँ बोली ना ना ना ना

मौसी, तुम अंदर ना आना।

होली आई

आज होली है। राधा और राधे के घर में बहुत से मित्र रंग खेलने आए हैं। रंगों की दो बाल्टियाँ हैं। एक में नीला रंग है और दूसरी में लाल।

राधा घर के अंदर मिठाई लेने गई है। राधे पिचकारी में नीला रंग भर रहा है। शालू और शानू भी साथ में हैं। ये लोग रंग भरे गुब्बारे एक दूसरे पर फेक रहें हैं। कुछ मित्र गुलाल फेक रहे हैं। देखो, गुलाल आँख में न जाए।

होली का खेल मजेदार है। इसे आँगन में खेलते हैं। घर के अंदर खेलने से घर गंदा हो जाता है। होली खेलने के बाद हमें नहा-धोकर कपड़े बदलने चाहिए।

हमें ज्यादा देर तक रंग नहीं खेलना चाहिए नहीं तो सर्दी लग जाएगी।

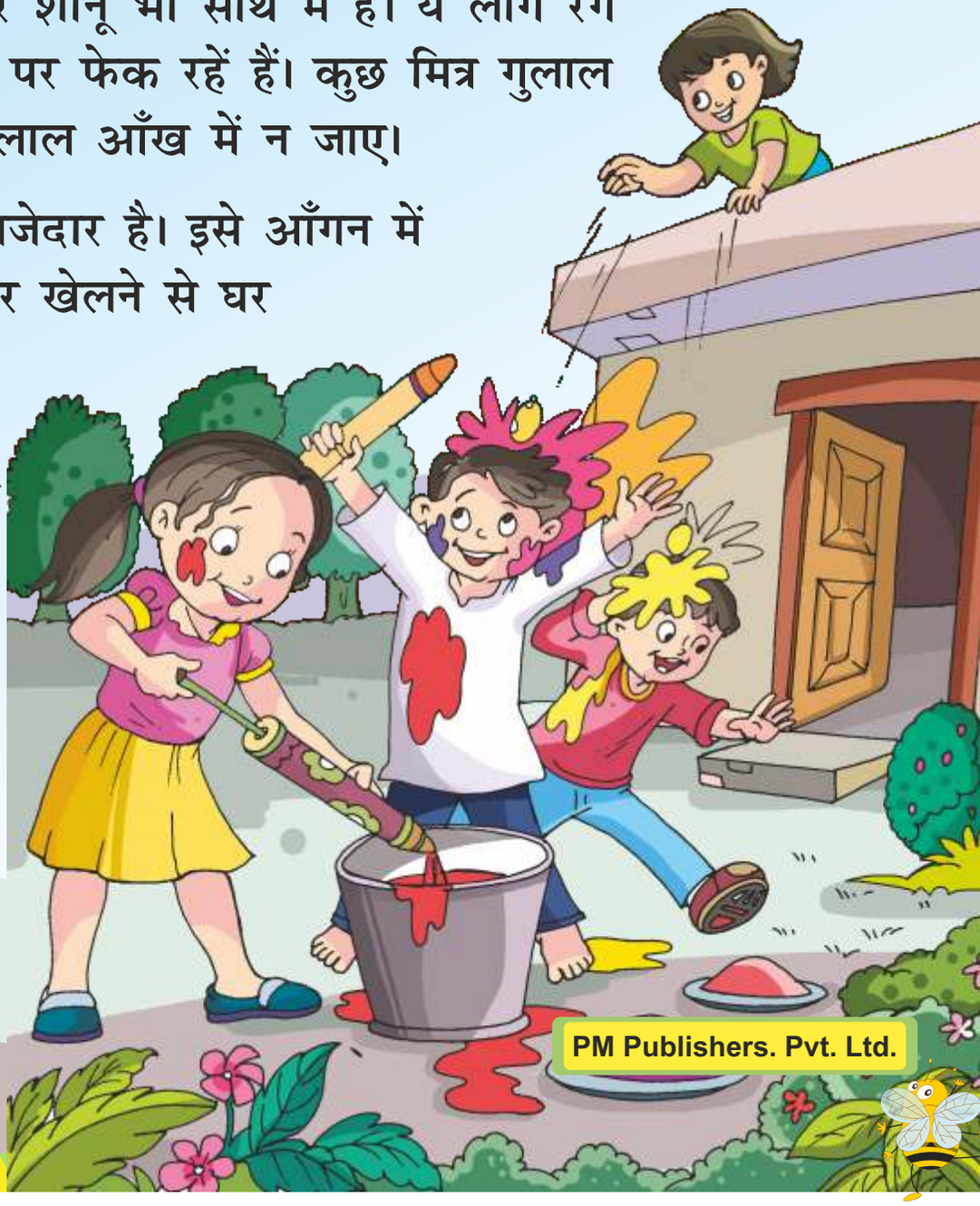

PM Publishers. Pvt. Ltd.

क्रियाकलाप-1

चित्र में रंग भरें।

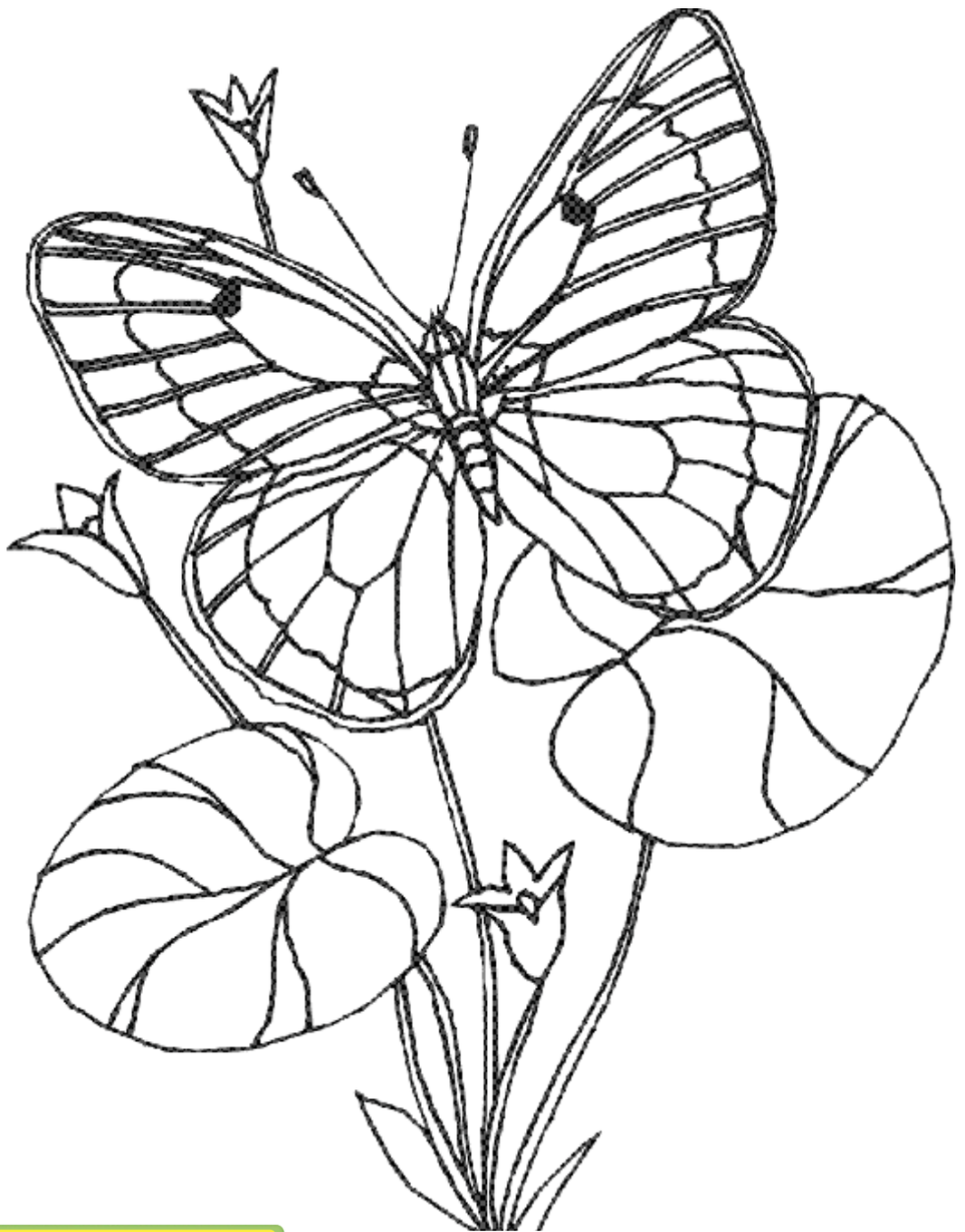

रेलगाड़ी

छुक-छुक-छुक-छुक धुआँ छोड़ती रेलगाड़ी,

इंजन इसके लगा अगाड़ी।

इंजन के पीछे हैं डिब्बे,

जिसमें बैठे नर व नारी।

कोई उतरता कोई चढ़ता,

हर स्टेशन पर भीड़ है भारी।

मंजिल तक सबको पहुँचाए,

मुझको इसकी भाए सवारी।

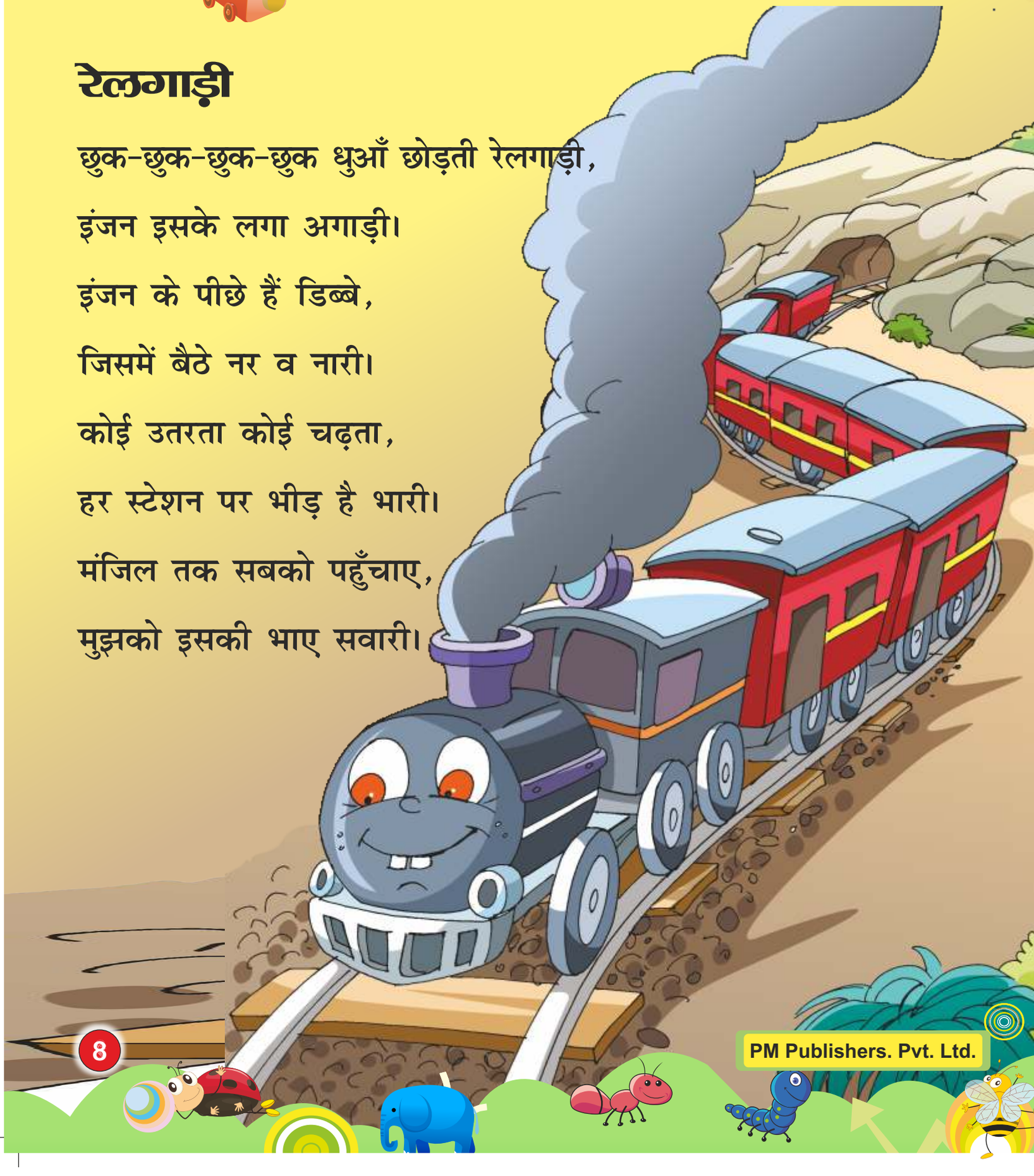

PM Publishers. Pvt. Ltd.

सब्जी

बच्चों खाओ कच्ची गाजर,

नींबू, खीरा और टमाटर।

लाल-लाल तुम बन जाओगे,

सुंदर बच्चे कहलाओगे।

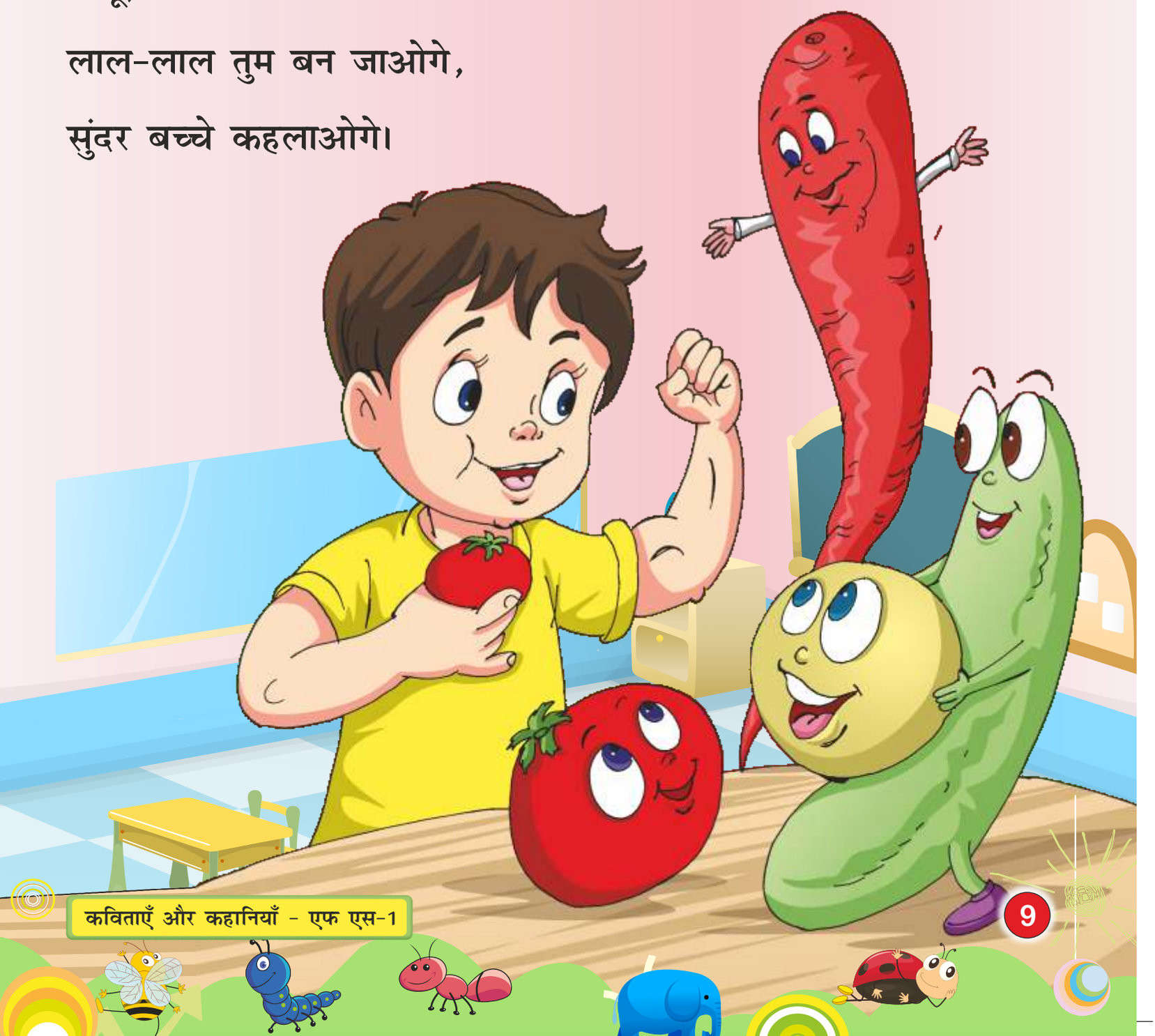

हाथी आया

हाथी आया हाथी आया

सूंड़ हिलाता हाथी आया,

चलता-फिरता हाथी आया।

झूम-झूम कर हाथी आया,

कान हिलाता हाथी आया।

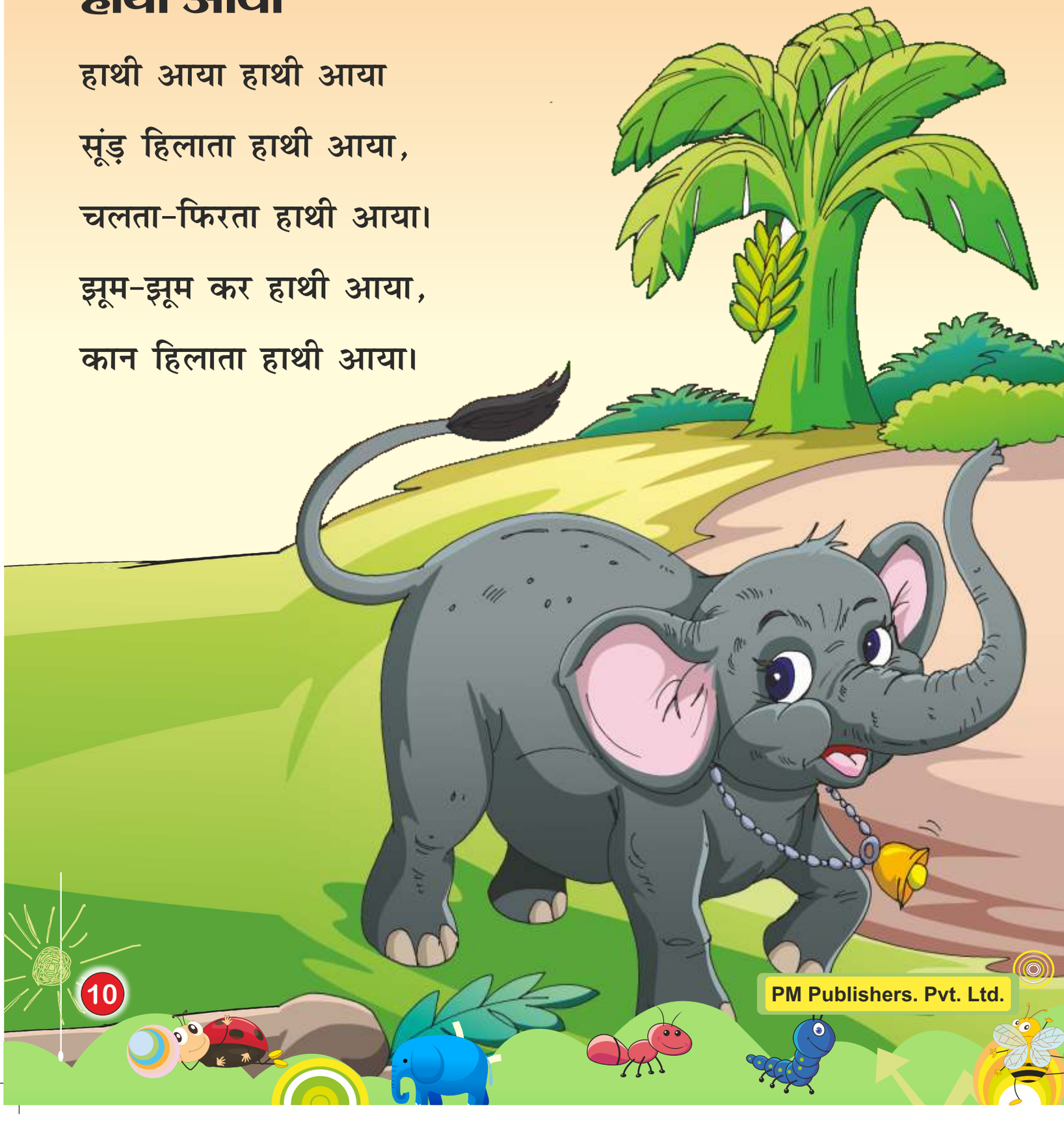

PM Publishers. Pvt. Ltd.

लालच बुरी बला

एक बार एक कुत्ते को एक रोटी मिली। वह उस रोटी को शांति से बैठकर खाना चाहता था। इसलिए वह उस रोटी को अपने मुँह में दबाकर नदी की ओर चल दिया। नदी के किनारे चलते हुए उसे पानी में अपनी परछाई दिखाई दी। उसने अपनी परछाई को दूसरा कुत्ता समझा। अपनी परछाई के मुँह में रोटी देखकर उसका मन लालच से भर आया। उसकी दूसरे कुत्ते की रोटी छीनने की इच्छा हुई।

रोटी छीनने के लिए उसने भौंकते हुए नदी में छलांग लगा दी। मुँह खोलते ही उसके मुँह की रोटी जल में गिरकर बह गई और लालची कुत्ता भूखा ही रह गया। इसलिए कहा गया है कि हमें ज्यादा लालच नहीं करना चाहिए।

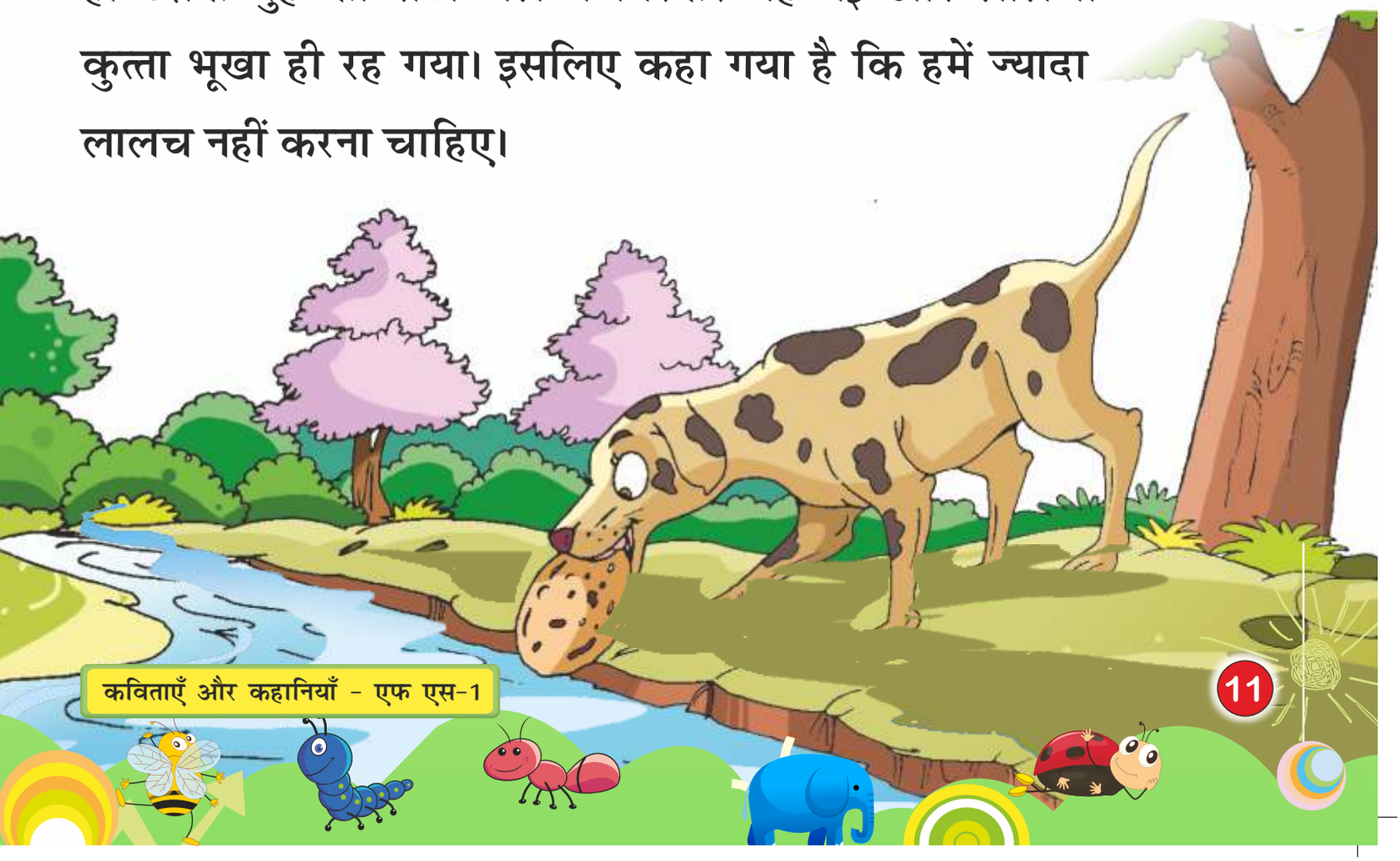

क्रियाकलाप-2

नीचे दिए गए चित्र में बिंदु से बिंदु को मिलाकर चित्र पूरा करें तथा रंग भरें।

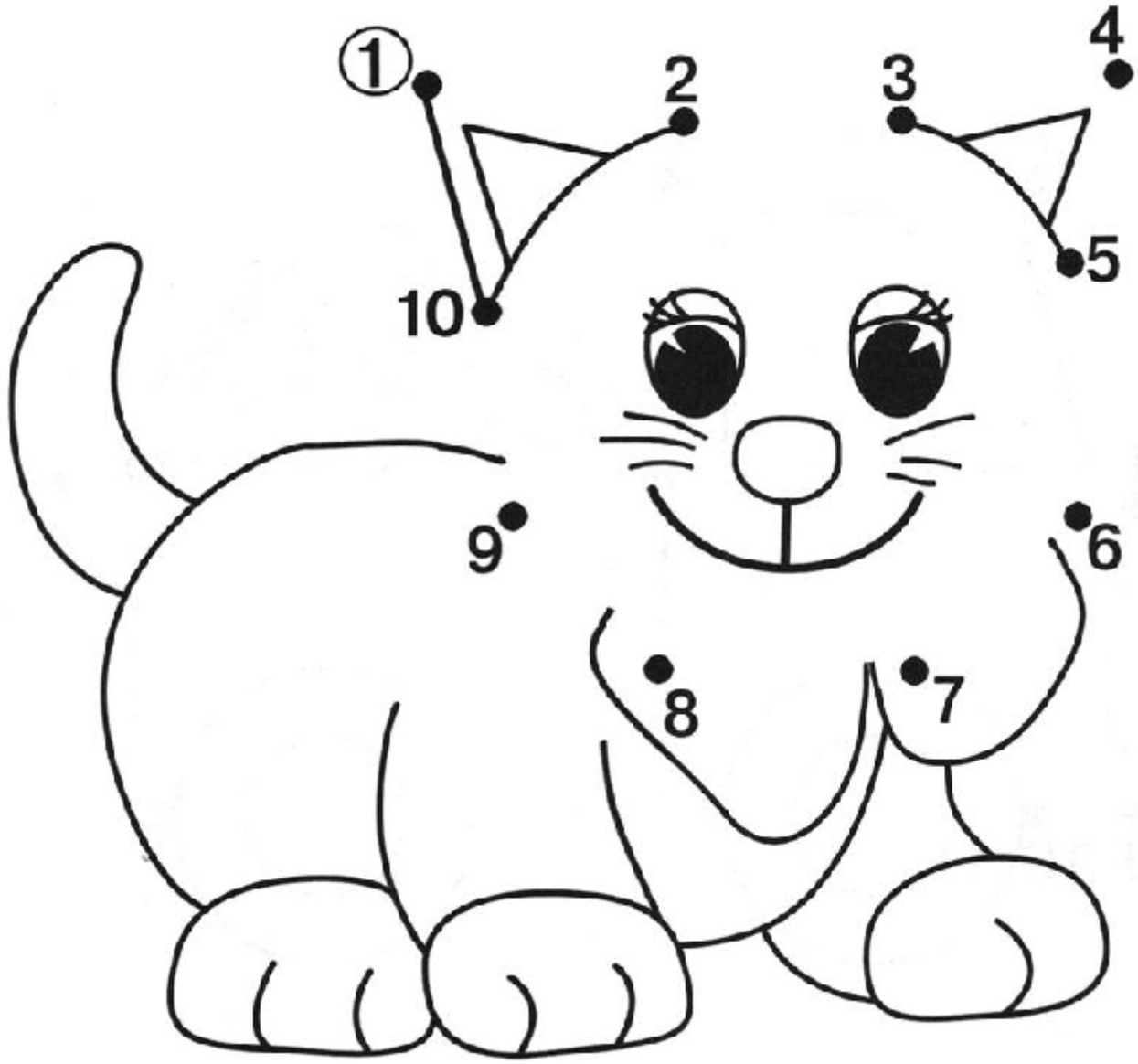

PM Publishers. Pvt. Ltd.

कुट-कुट-कुट

चिड़िया बोली कुट-कुट-कुट,

दे दो मुझको दो बिस्कुट,

भूख लगी है खाऊँगी,

खा-पीकर सो जाऊँगी।

दूध जलेबी रखी है,

पर उसमें तो मक्खी है,

कैसे खाऊँ, कैसे खाऊँ,

चल भूखी ही सो जाऊँ।

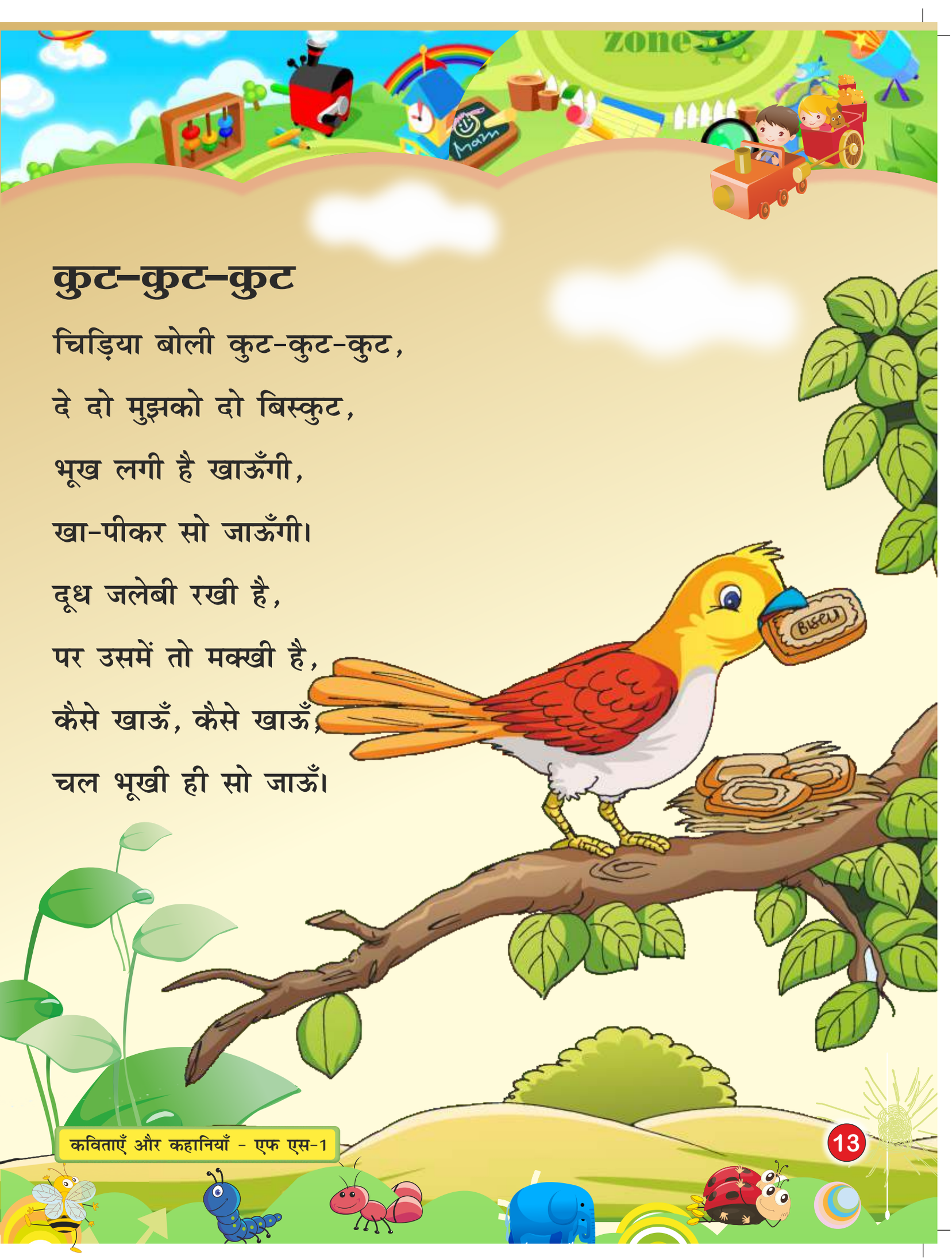

नटखट चूहा

नटखट चूहा टोपी वाला,

रूम झूम करता, टप टप करता।

ताली बजाता, शोर मचाता,

कूदता-फाँदता बिल में जाता।

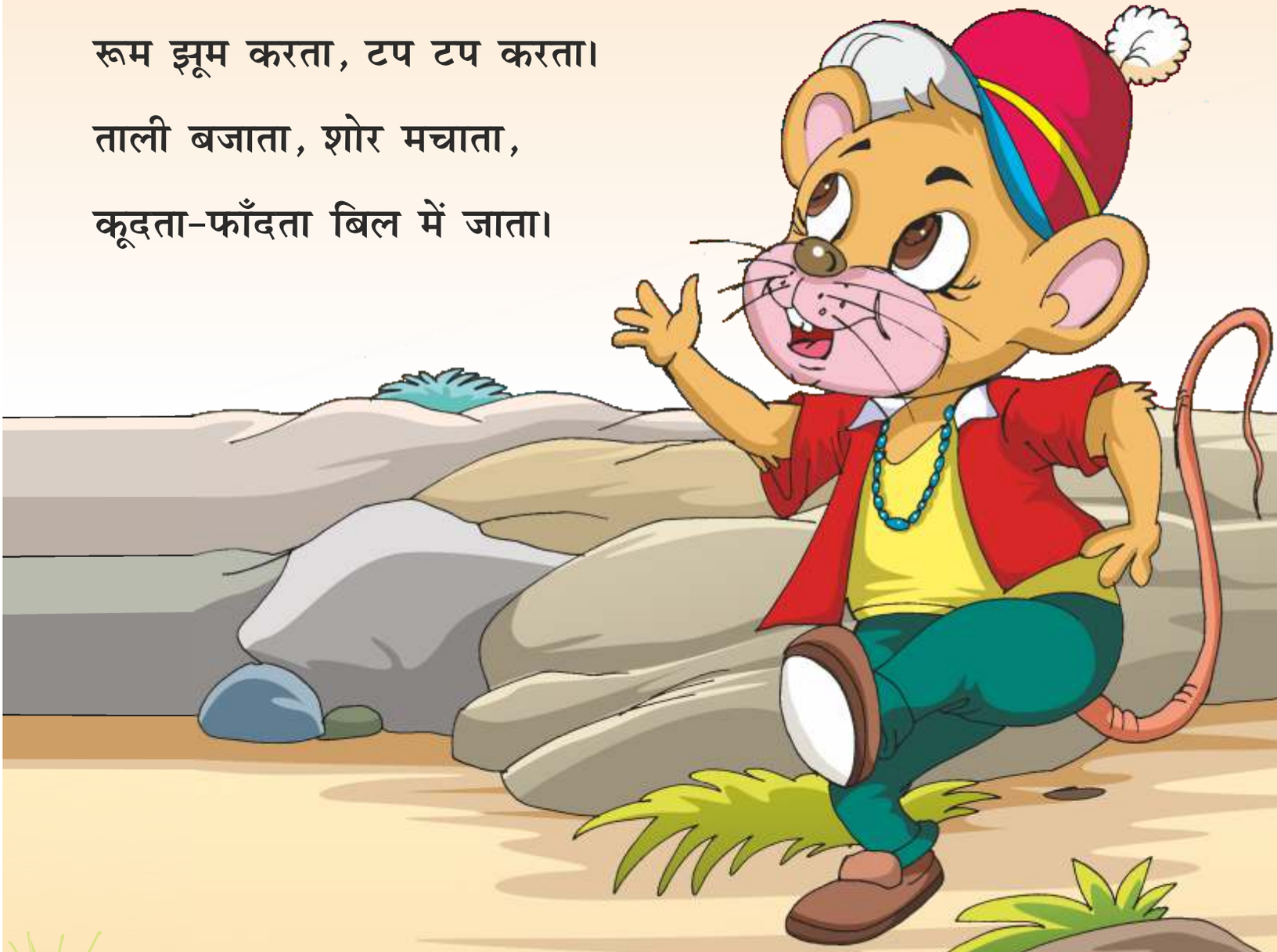

PM Publishers. Pvt. Ltd.

गिनती

एक, दो, तीन, चार,

आज शनि है कल इतवार,

पाँच, छः, सात, आठ,

याद करूँगा सारा पाठ,

इसके आगे नौ और दस,

हो गई गिनती पूरी बस।

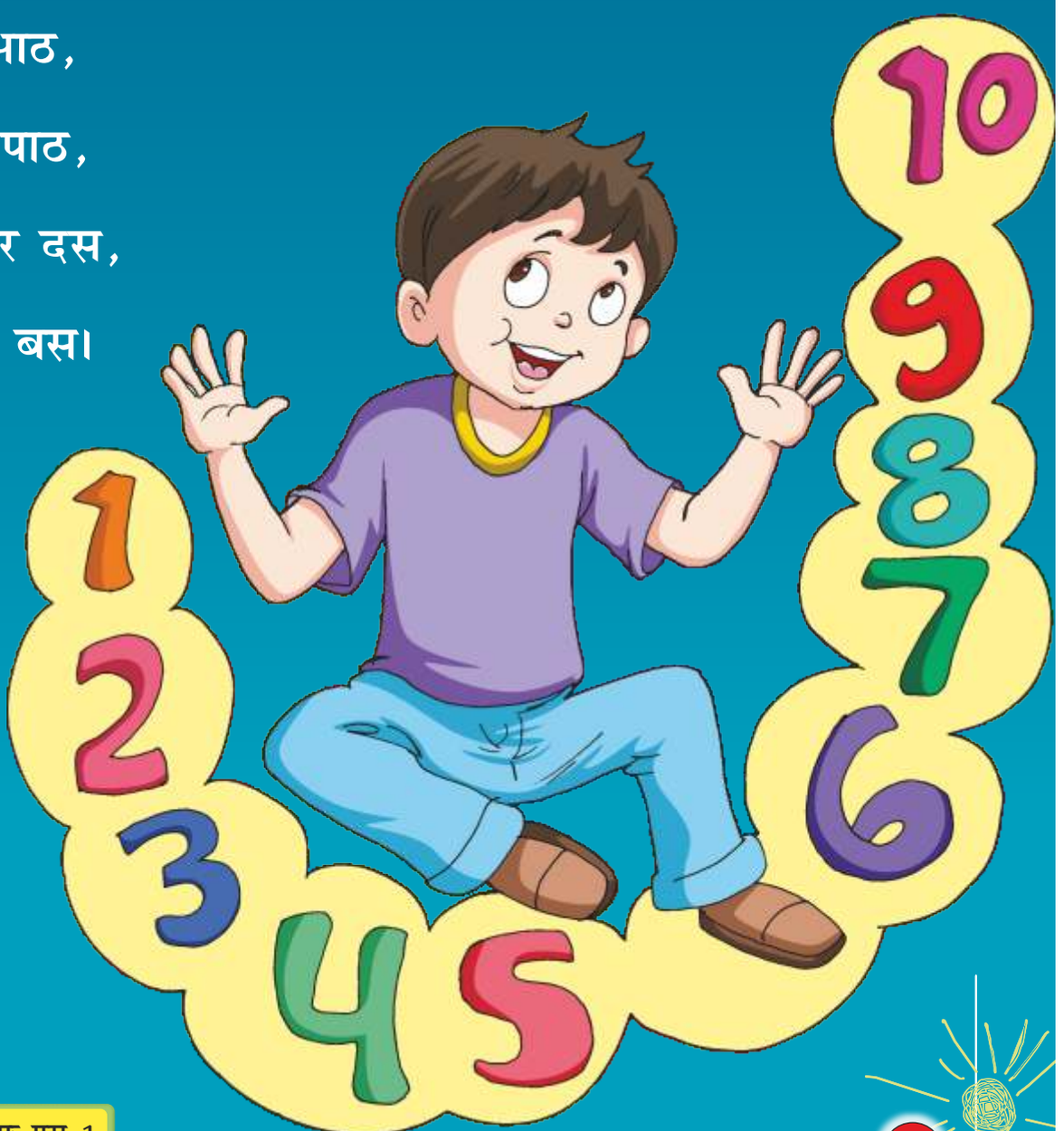

मेहनत का फल

एक बार की बात है किसी जंगल में एक कौवा रहता था। एक दिन उसे बड़ी ज़ोर से प्यास लगी। वह पानी की तलाश में बहुत दूर तक उड़ता रहा, परंतु कहीं भी उसे पानी नहीं मिला। जब वह बहुत थक गया तो उसे आखिर में एक घड़ा दिखाई दिया जिसमें बहुत थोड़ा-सा पानी था।

जब कौवे ने पानी पीना चाहा तो उसकी चोंच पानी तक नहीं जा सकी। उसने हर तरह से पानी पीने की कोशिश की, पर सब बेकार गई। कौवा बेचैन हो उठा, तभी उसे एक उपाय सूझा। उसने आस-पास से कंकड़ एकत्रित किए और एक-एक करके अपनी चोंच से घड़े में तब तक डाले जब तक पानी ऊपर नहीं आ गया। फिर कौवे ने जी भरकर पानी पिया।

इस तरह कौवे ने अपनी मेहनत से अपनी प्यास बुझाई।

PM Publishers. Pvt. Ltd.

क्रियाकलाप-3

नीचे दिए गए चित्रों में पाँच अंतर हैं। क्या आप उनका पता लगा सकते हैं?

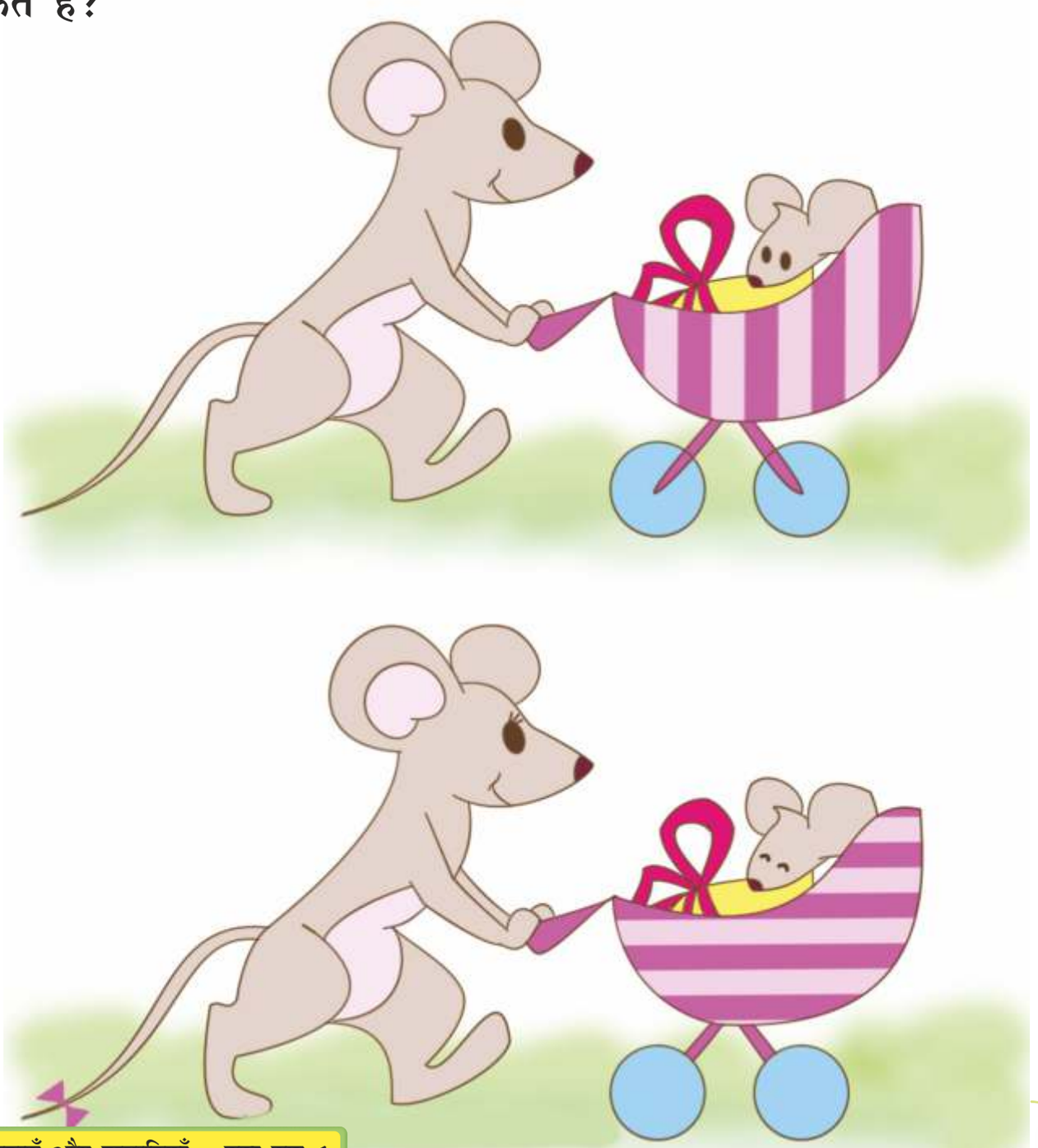

सवेरा

सूरज निकला मिटा अंधेरा,
देखो बच्चों हुआ सवेरा।
आया मीठी हवा का फेरा,
चिड़ियों ने फिर छोड़ा बसेरा।
जागो बच्चों अब मत सोओ,
इतना सुंदर समय न खोओ।

PM Publishers. Pvt. Ltd.

चीकू चीकू चाचा

चीकू चीकू चाचा

घड़ी में चूहा नाचा

घड़ी ने एक बजाया

चूहा नीचे आया

चूहा मैंने पकड़ लिया

रस्सियों में जकड़ लिया

चूहे तू क्यों रोता है

तेरी मम्मी भी रोती होगी

मेरा चूँ-चूँ कहाँ गया।

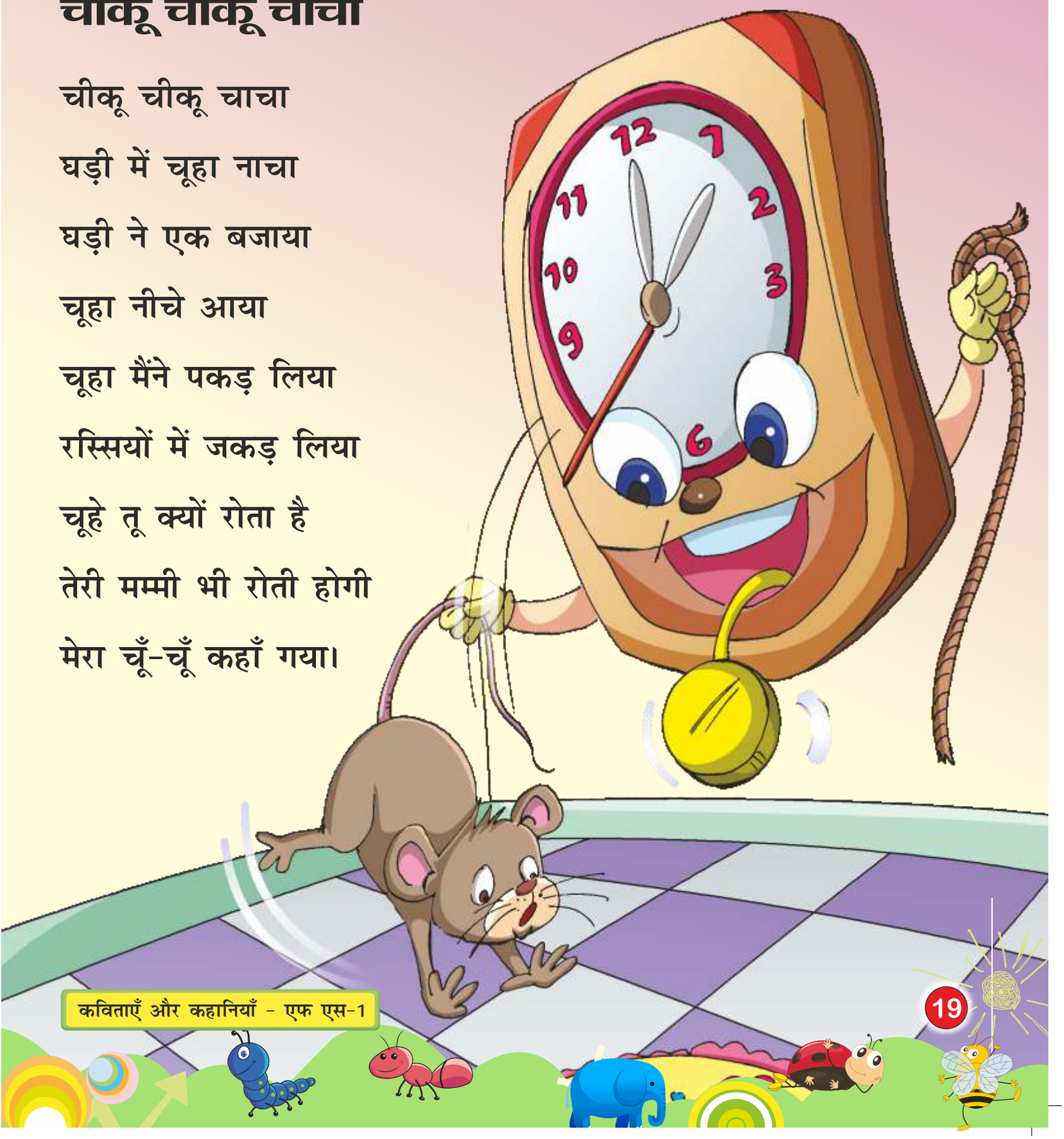

उल्लू

उल्लू एक अनोखा पक्षी,
जग में पाया जाता है।
घने अंधेरे स्थानों पर,
ये आवास बनाता है।
दिन भर सोता बड़े चैन से,
शाम ढले उठ जाता है।
और रात में ढूँढ़-ढूँढ़ कर,
मोटे चूहे खाता है।
रहता है चुप-चाप हमेशा,
कभी-कभी कुछ गाता है।
और कभी तो हम बच्चों को,
आँखें फाड़ डराता है।

PM Publishers. Pvt. Ltd.

एकता में ही बल है

एक बार की बात है किसी जंगल में बड़ा-सा पेड़ था। उस पेड़ पर प्रतिदिन बहुत से पक्षी आकर विश्राम करते थे। एक दिन बहेलिये ने पक्षी पकड़ने की इच्छा से वहाँ चावल के दाने फैला दिए और उसके ऊपर जाल बिछाकर स्वयं एक पेड़ के पीछे छिपकर बैठ गया।

तभी वहाँ कबूतरों का झुंड आकर विश्राम करने लगा। चावल के दाने देखकर कबूतरों की भूख जाग उठी और वह दाने चुगने के लिए जाने लगे। तब उनके मुखिया ने उन्हें समझाया कि उसे इन दानों के पीछे कुछ गड़बड़ लग रही है, इसलिए उन्हें यह दानें नहीं चुगने चाहिए। पर कबूतरों ने अपने मुखिया की बात नहीं सुनी और दानें चुगने के लिए चले गए। सारे कबूतर जाल में फँस गए। तब उनके मुखिया ने उन्हें एक साथ एक ही दिशा में उड़ने के लिए कहा। सब कबूतर जाल के साथ एक ही दिशा में उड़े और बहेलिया देखता ही रह गया। सब कबूतर अपने मुखिया के दोस्त चूहे के घर जा पहुँचे। चूहे ने अपने पैने दाँतों से जाल काटकर कबूतरों को मुक्त कर दिया। कबूतरों ने अपने प्राण बचाने वाले नन्हें चूहे को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया और सब कबूतर नीले आसमान में फिर उड़ गए। इस तरह हमें पता चलता है कि एकता में ही बल है।

क्रियाकलाप-4

मधुमक्खी को शहद तक पहुँचने में सहायता करें।

PM Publishers. Pvt. Ltd.

रंग-बिरंगे फूल

रंग-बिरंगे कितने प्यारे,

फूल खिले बगिया में सारे।

खुशबू इनकी है मनोहारी,

इन पर घूमे तितली प्यारी।

शेर निराला

शेर निराला हिम्मत वाला,

तीखी-तीखी मूछों वाला।

लंबे-लंबे बालों वाला,

तेज़ नुकीले दाँतों वाला।

देखो-देखो आया शेर,

भागो-भागो आया शेर।

PM Publishers. Pvt. Ltd.